

c) Bring out the dramatic significance of the elephant-episode at the end of the first act of अभिज्ञानशकुन्तलम्।

‘अभिज्ञानशकुन्तलम्’-এর প্রথম অঙ্কের শেষে হস্তী উপাখ্যানের নাটকীয় তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।

d) Write short notes on रत्नावली।

‘রত্নাবলী’ সম্পর্কে সংক্ষেপে আলোচনা কর।

e) “गुणवते कण्यका प्रतिपादनीया” —Write the significance of the remark.

“গুণবতে কণ্যকা প্রতিপাদনীয়া” —উক্তিটির তাৎপর্য লেখো।

f) Write short notes on: (any two)

টীকা লেখ : (যে-কোনো দুটি) :

आकाशभाषितम्, विदूषकः, सानुमती, यौगन्धरायणः

3. Answer any **two** questions: $10 \times 2 = 20$

যে-কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

a) Bring out the dramatic significance of the curse (अभिशापः) of दुर्वासा in अभिज्ञानशकुन्तलम्।

‘अभिज्ञानशकुन्तलम्’—নাটকে বর্ণিত দুর্বাসার অভিশাপের নাটকীয় তাৎপর্য লেখো।

b) Give a note on विशाखदत्तः and his works.

নাট্যকার विशाखदत्त এবং তাঁর নাট্যকৃতির উপর বিস্তৃত আলোচনা কর।

c) ‘स्वप्नवासवदत्तम्’—Write the significance of the title of this drama.

‘स्वप्नवासवदत्तम्’—নাটকের নামকরণের সার্থকতা লেখো।

d) Discuss in brief the origin and development of Sanskrit Drama.

সংস্কৃত নাটকের উদ্ভব ও ক্রমবিকাশ সংক্ষেপে আলোচনা কর।

371/Sans.(C) UG/3rd Sem/SANS-P-CC-T-3/25

U.G. 3rd Semester Examination - 2025

SANSKRIT

[PROGRAMME]

Course Code : SANS-P-CC-T-3

[CBCS]

Full Marks : 60

Time : 2½ Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Answer any **ten** questions of the followings:

$2 \times 10 = 20$

নিম্নের যে-কোনো দশটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

a) Write the name of two dramas of भास based on रामायण.

ভাসের দুটি রামায়ণাশ্রিত নাটকের নাম লেখো।

b) न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन्— Who said this and when?

ন খলু ন খলু বাণঃ সন্নিপাত্যোঃয়মস্মিন্—কে কখন এই উক্তিটি করেছিলেন?

c) What is the name of कुलपति in the drama ‘अभिज्ञानशकुन्तलम्’? In which bank of river was his hermitage situated?

‘अभिज्ञानशकुन्तलम्’—নাটকে কুলপতি-এর নাম কি? কোন্ নদীর তীরে তাঁর আশ্রম ছিল?

d) Write the meaning of the song of नटी ?

নটীর গানটির অর্থ লেখ।

- e) What is the name of বীণা of উদয়ন?
উদয়নের বীণার নাম কি?
- f) Write the name of hero and heroine of স্বপ্নবাসবদত্তম্?
স্বপ্নবাসবদত্তম্—নাটকের নায়ক ও নায়িকার নাম লেখ।
- g) Portray the features of the summer day according to অভিজ্ঞানশকুন্তলম্।
অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ অনুসারে গ্রীষ্মের দিনের বৈশিষ্ট্যগুলি চিত্রিত করো।
- h) Who is যৌগন্ধরায়ণ:? In which act he is found in the drama স্বপ্নবাসবদত্তম্?
যৌগন্ধরায়ণ:কে? স্বপ্নবাসবদত্তম্—এর কোন্ অঙ্কে তাকে দেখা যায়?
- i) “इदं मां निक्षेप्तुकामः आर्य यौगन्धरायणः”—Who said this? What is the context of this speech?
“इदं मां निक्षेप्तुकामः आर्य यौगन्धरायणः”—এটি কার উক্তি? কোন্ প্রসঙ্গে এই উক্তিটি করা হয়েছে?
- j) “पुत्रमेवं गुणोपेतं चक्रवर्तिनमाप्नुहि”—Who said this? What does it mean?
“पुत्रमेवं गुणोपेतं चक्रवर्तिनमाप्नुहि”—এটি কার উক্তি? এর অর্থ কি?
- k) Give a pen-picture of পদ্মাবতী।
পদ্মাবতীর পরিচয় দাও।
- l) What is জনান্তিকম্ according to বিশ্বনাথ?
আচার্য বিশ্বনাথের মতে ‘জনান্তিক’ কি?
- m) How many types of heroes in the drama and what are they?
নাটকে নায়ক কয়প্রকার ও কি কি?

- n) What is ‘नान्दी’? Which God is praised in the নান্দীশ্লোক: of ‘স্বপ্নবাসবদত্তম্’?
নান্দী কি? ‘স্বপ্নবাসবদত্তম্’—নাটকে নান্দীশ্লোকে কোন্ দেবতার স্তুতি করা হয়েছে?
- o) Why did পদ্মাবতী go to the hermitage?
পদ্মাবতী কেন তপোবনে গিয়েছিলেন?

2. Answer any **four** questions: 5×4=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলোর যে-কোনো চারটির উত্তর লেখ :

- a) Translate into Bengali or English (any **one**):
সংস্কৃত থেকে বাংলা অথবা ইংরাজিতে অনুবাদ কর :
(যে-কোনো একটি)
- i) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलताम्
यदद्भौ विच्छिन्न भवति कृतसन्धानमिव तत्॥
प्रकृत्या यद्वन्कं तदपि समरेखं नयनयोः
न मे दूरे किञ्चित क्षणमपि न पार्श्वे रथजबात्॥
- ii) धीरस्याश्रमसंश्रुतस्य वस्तुतुष्टस्य वनैः फलैः
मानार्हस्य जनस्य वल्कलवतस्त्रासः समुत्पद्यते।
उत्सिक्तो विनयादपेतपुरुषो भाग्यैश्चलैर्विस्मितः।
कोऽयं भो निभृतं तपोवनं ग्रामीकरोत्याज्ञया॥
- b) Explain in Sanskrit or Bengali (any **one**):
সংস্কৃত অথবা বাংলায় ব্যাখ্যা কর (যে-কোনো একটি) :
- i) अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं
प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा॥
- ii) कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना।
चक्रारपङ्क्तिरिव गच्छति भाग्यपङ्क्तिः॥